अम्र बिल मअरूफ और नाही अनिल मुन्कर

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अल दावाह

खुलसा- एक आदमी ने हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास (रदी) से कहा की मै दीन का काम करना चाहता हूं, अमर बिल मअरूफ और नाही अनिलमुनकर का काम करना चाहता हूं, उन्होंने कहा की क्या तुम इस दर्जे पर पहुंच चुके हो? उसने कहा हां उम्मीद तो है.

हज़रत इबने अब्बास (रदी) ने कहा की अगर तुम्हें ये डर ना हो की कुरआन की तीन आयतें तुम्हें रूसवा (जलील) कर देंगी तो ज़रूर दीन का काम करो, उसने कहा वो कौन सी तीन आयतें है?

हज़रत इबने अब्बास (रदी) ने फरमाया- पहली आयत ये है अल बकरा तरजुमा- “क्या तुम लोगों को नेकी का हुक्म देते

हो और अपने आपको भूल जाते हो?” इबने अब्बास ने कहा, क्या इस आयत पर अच्छी तरह अमल कर लिया है? उसने कहा, नहीं.

और दूसरी आयत अस-सफ्फ तरजुमा- “तुम वो बात क्यों कहते हो जिस्को करते नहीं” है तो इस्पर अच्छी तरह अमल कर लिया है? उसने कहा नहीं.

और तीसरी आयत- सूरह हूद तरजुमा- शुऐब (अल) ने अपनी कौम से कहा “जिन बुरी बातों से मै तुम्हें रोकता हूं उन्को बढकर खुद करने लगो मेरी नियत ये नहीं (बल्कि मै तो उन्से बहुत दूर रहूँगा तुम मेरे कहने और करने मै फर्क ना देखोगे, हज़रत इबने अब्बास (रदी) ने पूछा इस आयत पर अच्छी तरह से अमल कर लिया है? उसने कहा नहीं.

तो फरमाया- जाओ पहले अपने को नेकी का हुक्म दो और बुराई से रोको ये दीन का प्रचार करने वाले की पहली मंज़िल है.ये शख्स अपने आपको भूला हुआ था और दूसरों को दीन की बातें बताने का शौक रखता था. हज़रत इबने अब्बास ने सही सूरतेहाल का अन्दाज़ा करके ठीक मशवरा दिया.